



पीएम मोदी जब नासिक के कालाराम मंदिर गए तो वो भगवान के दर्शन करने के बाद वो बाली और पोछा लेकर निकल पड़े।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# एकरान इंडिया

वर्ष: 13 अंक: 13 पृष्ठ: 12

RNI : HPHIN/2012/48072



actionindiauna@gmail.com

हिमाचल संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



## रामलला को दूध पीने के लिए दान में मिलेंगी पांच गाय, इन विशेष गायों का ये है पौराणिक महत्व

टीम एकरान इंडिया/अयोध्या

अयोध्या में भगवान राम अपने बाल रूप में विराजमान होंगे। पांच वर्ष के बालक की उनकी विशेष छवि को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष मान्यता के आधार पर किया जा रहा है। महंत मंगलदास ने बताया कि वे भी भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन समारोह में जा रहे हैं। वे भगवान को पांच विशेष गायें अर्पित करेंगे, जिनके दूध से उनकी सेवा होगी। इन गायों में

एक कपला मुगनयनी गाय है। इस गाय की आंखों को सबसे ज्यादा खुलसूत माना जाता है। जब रावण ने सीता का अपहरण किया था, तब राम ने लोगों से उनका पता पछते हुए सीता की आंखों की सुरक्षा का वर्णन इसी गाय की आंखों से की थी। संत कवि तुलसीदास ने इसे ही 'हे खग मृग, हे मधुकर श्रीणी, तुम देखीं सीता मुगनयनी' कहा है।

विशेष रथों से अयोध्या पहुंचेंगी ये गाय उन्होंने बताया कि इन गायों की आंखों की सुंदरता और उनके पौराणिक महत्व के कारण उन्होंने इस गाय की भगवान राम को अर्पित करने का निर्णय लिया। अभी इन गायों के दिल्ली के राधा कृष्ण मंदिर की गोलशाला में रखकर उनकी सेवा की जा रही है। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद विशेष रूप से तैयार किए जा रहे रथों से ले

जाकर इन्हे अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया जाएगा। कृष्ण की आंखों के समान धब्बे वाली गाय दान में दी जाने वाली गायों में नामी प्रजाति की एक विशेष किस्म की गाय भी है। महंत मंगलदास ने कहा कि इन गायों को भगवान कृष्ण की आंखें माना जाता है। जब तक देव जगत् अवस्था में रहते हैं, वे आंखें गायों के शरीर पर प्रकट रहते हैं।

## फार्स्ट न्यूज

आठ साल पहले लापता हुए गायुसेना के विमान का मलबा बरामद

नई दिल्ली: 2016 में बंगल की खाड़ी के ऊपर लापता हुए भारतीय गायुसेना के एन-32 विमान (पंजीयन डॉ-2743) का मलबा चैनई टर्म से लगभग 140 समुद्री मील (लगभग 310 किमी) दूर गाया गया है। राष्ट्रीय महासागर ग्रीष्मीयिकी संसारा ने हाल ही में लापता एन-32 के अंतिम ज्ञात स्थान पर गए समुद्र में अन्वयन क्षमता गाया एक स्थान अंडरवर्टर गाहन (एयूरी) तैयार किया था। खोजी गई तर्फ़ीरों की जाँच की गई और उन्हें एन-32 विमान के तारीख पर किसी अन्य विमान के लापता बोनी की कोई जानकारी नहीं मिली है। जिसके कारण संभव है कि यह मलबा दूर्विनाग्रह आईएफ एन-32 (के-2743) का हो सकता है।

**जेएन.1 वेरिएंट के कुल मालों की संख्या 1000 के पार**

नई दिल्ली: देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट जेएन.1 अब रफतर पकड़ रहा है। शुक्रवार को दंज हुए ताजा मामले के बाद देश में कुल मार्जियों की संख्या 1000 के पार हो गया। अब तक 16 से अधिक राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में जेएन.1 के मामले दर्ज हो रुके हैं।

सर्वसे अधिक राज्यों में जेएन-1 के मामले दर्ज़ हो रुके हैं। यह विवरण अंदरवर्टर में जेएन-1 के जीवनीकरण कंसर्टियम द्वारा के अंकड़ों के मुताबिक, कर्नाटक में सबसे अधिक 214 मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 170, केरल में 176, और गोवा में 189, गुजरात में 76 और गोवा में 66 मामले सामने आए हैं।

किन राज्यों में मिले नए वेरिएंट के मामले: वहाँ, तेलंगाना और गोवा यात्राओं में 32-32 जेएन.1 के मामले मिले हैं।





















